–Save This Page as a PDF–

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] (**Ek–** [illegible]) [illegible] (**Eo–** [illegible]) [illegible] (**Er –** [illegible]) [illegible] (**Ey -** [illegible]) [illegible]

[illegible]

Ff – यीशु ने तूफ़ान को शांत किया मत्ती ८:१८, २३-२७; मरकुस
४:३५-४१; लूका ८:२२-२५ | 2

गलील के थके हुए रब्बी के लिए एक सुखद और ताज़ा बदलाव होगी। उसे भागने और आराम करने की ज़रूरत थी।

यीशु पहले की तरह नाव पर चढ़ गया, और उसका शिष्य उसके पीछे हो लिया। ये शब्द, जैसा कि उन्होंने किया,Es – समुद्र के किनारे राज्य के सार्वजनिक दृष्टान्तों को संदर्भित करते हैं, और एक नाव में येशुआ की शिक्षा को यहां एक नाव में उनके चमत्कार-कार्य के साथ जोड़ते हैं। प्रभु को बारह के साथ अकेले रहने की आवश्यकता थी उनका प्रशिक्षण शुरू करने के लिए. इसलिए भीड़ के दैनिक दबाव को पीछे छोड़ते हुए, वे आगे बढ़े। नाव के लिए ग्रीक शब्द प्लियोन है, जो आमतौर पर पतरस, याकूब और युहन्ना जैसे मछुआरों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली बड़ी मछली पकड़ने वाली नाव को संदर्भित करता है। जॉर्डन नदी के उत्तरी छोर के पास, गलील सागर समुद्र तल से ६०० फीट नीचे था। माउंट हर्मन उत्तर की ओर ९,२०० फीट ऊपर है, और तेज़ उत्तरी हवाएँ अक्सर बड़ी ताकत के साथ ऊपरी जॉर्डन घाटी में गिरती हैं। जब वे हवाएँ गैलिली बेसिन के ऊपर गर्म हवा से मिलती हैं, तो ऊँची पहाड़ियाँ और संकरी घाटियाँ पवन सुरंगों की तरह काम करती हैं, जिससे उनके नीचे का पानी हिंसक रूप से हिलने लगता है। तथ्य यह है कि हवाएँ इतनी तेज़ी से और कम चेतावनी के साथ आती हैं कि तूफान और भी खतरनाक हो जाते हैं। वहाँ अन्य नावें भी थीं, जो उन लोगों को ले जा रही थीं जो मसीह के साथ रहना चाहते थे, जो पीछे चल रहे थे (मत्तीयाहु ८:२३; मरकुस ४:३६; लूका ८:२२बी)

अपने थके हुए दिन के बाद, जब वे नौकायन कर रहे थे तो यीशु नाव के पिछले हिस्से में गद्दे पर सो गए (ग्रीक निश्चित लेख का उपयोग किया जाता है: प्रोस्केफेलियन)। जाहिरा तौर पर, यह बोर्ड पर एकमात्र तकिया था, और मसीहा ने इसे अपने सिर के लिए तकिये के रूप में इस्तेमाल किया था। दिलचस्प बात यह है कि सुसमाचार में यह एकमात्र स्थान है जहां येशुआ को सोते हुए देखा गया है। प्रभु उस स्थिति में सोए थे जिस स्थिति में कोई भी विशिष्ट अतिथि सोता होगा। नाव के पिछले हिस्से में एक छोटी सी सीट थी जिस पर चमड़े का तकिया रखा हुआ था। आगे का बेहतर नजारा देखने के लिए, हेलसमैन डेक पर थोड़ा आगे की ओर खड़ा था, हालांकि स्टर्न के पास। चांदनी ने शांत झील के पार जहाज को चलाने के लिए आवश्यक सभी दृश्यता प्रदान की। इसलिए इससे पहले कि हम मसीहा के ईश्वरत्व के उनके सबसे लुभावने प्रदर्शनों में से एक को देखें, हम उनकी मानवता की एक मार्मिक तस्वीर देखते हैं (मत्तीयाहू ८:२४ए; मार्क ४:३८ए)।

लेकिन ये शांतिपूर्ण नजारा अचानक बदल गया. उत्तरपूर्वी हवा तेज़ हो गई और झील के क्षितिज के साथ उत्तर और पूर्व में बादल घने हो गए। आकाश तेज़ी से गहरा और गहरा होता गया और बिना किसी चेतावनी के गलील सागर पर एक प्रचंड तूफ़ान आया। वे बस अपनी पाल को तुरंत समायोजित कर सकते थे और तूफान का सामना करने की कोशिश कर सकते थे। हालाँकि, हर पल के साथ, तूफ़ान इतना भयानक होता गया कि लहरें नाव पर टूट पड़ीं और नाव लगभग पानी में डूब गई। क्रिया अपूर्ण काल में है, जिसका अर्थ है कि

Ff – यीशु ने तूफ़ान को शांत किया मत्ती ८:१८, २३-२७; मरकुस
४:३५-४१; लूका ८:२२-२५ | 3

लहरें बार-बार नाव पर टूट रही थीं। तूफ़ान इतना तेज़ था कि मत्ती इसका वर्णन करने के लिए आमतौर पर भूकंप (ग्रीक सीस्मोस) से जुड़े एक असामान्य शब्द का उपयोग करता है। बार-बार ब्रेकर के फोम के बीच नाव दब जाती थी. नाव में पानी उससे तेजी से भर रहा था, जितना वे उसे बाहर निकाल सकते थे। वे बहुत ख़तरे में थे; फिर भी, हमारा उद्धारकर्ता नाव के पीछे सो रहा था। (मत्ती ८:२४बी; मरकुस ४:३७; लूका ८:२३)। येशुआ अभी भी प्रकृति का स्वामी था, भले ही वह सो रहा हो।

ईसा मसीह इतनी गहरी नींद में सोये कि न तो नाव का हिलना, न हवा का शोर, न ही बारह की आवाज़ भी उन्हें जगा सकी। सिर पर केवल तकिया रखकर कठोर तख्तों पर लेटे हुए प्रभु संभवतः त्वचा से भीगे हुए थे। घबराए हुए प्रेरितों ने जाकर उसे जगाया, और कहा: हे गुरू, हमें बचा ले! हालाँकि उन्होंने उसे शिक्षक कहा, फिर भी उन्होंने उसकी शिक्षा को नहीं समझा। हम डूबने वाले हैं (मत्तीयाहु ८:२५; मरकुस ४:३८बी; लूका ८:२४)! फिर भी उनके तत्काल रोने से कुछ अर्थों में विश्वास की कमी का पता चला। इन विशेषज्ञ मछुआरों को डर था कि वे डूबने वाले हैं और यह तथ्य कि रात का समय था, ने इसे और भी भयावह बना दिया। लेकिन हम उनके प्रति बहुत अधिक आलोचनात्मक नहीं हो सकते। कम से कम वे येशुआ के साथ नाव में चढ़े और उसके आह्वान का पालन किया, जो कि अधिकांश लोगों की इच्छा से कहीं अधिक है। इस प्रकार, तूफान का उद्देश्य उन्हें प्रभु पर निर्भरता में लाना था।

बारह यहूदी प्रेरितों ने भजन को जानते थे। कई बार उन्होंने एज्रेही एतान के शब्दों को सुना और दोहराया था, “एडोनाई एलोही-त्ज़वाओत! आपके समान शक्तिशाली कौन है, हाँ? आपकी वफ़ादारी आपको घेरे रहती है. तू उफनते समुद्र को वश में करता है; जब उसकी लहरें उठती हैं, तब तू उनको शान्त करता है” (भजन संहिता ८९:८-९ सीजेबी)। उन्होंने गाया था: ईश्वर हमारा शरणस्थान और बल है, संकट में सदैव उपलब्ध रहने वाला सहायक है। इस कारण हम निडर हैं, चाहे पहाड़ गिरकर समुद्र की गहराइयों में गिर जाएं, चाहे उसका जल उग्र हो और झाग उत्पन्न करे, और पहाड़ उसकी अशांति से कांपने लगें (भजन ४६:१-३ सीजेबी)।

वे भजनहार के शाही और आश्वस्त करने वाले शब्दों को अच्छी तरह से जानते थे। जो लोग बड़े समुद्र में अपना व्यापार करते हुए जहाजों पर सवार होकर समुद्र की ओर जाते हैं, उन्होंने गहराई में यहोवा के कार्यों, उसके चमत्कारों को देखा। क्योंकि उसके वचन सुनते ही तूफ़ान उठ खड़ा हुआ, और ऊंची लहरें उठाने लगा। नाविकों को आकाश तक उठा लिया गया, फिर गहराई में डुबो दिया गया। ख़तरे के समय, उनका साहस विफल हो गया, वे नशे में धुत्त लोगों की तरह लड़खड़ाने लगे और उनकी सारी कुशलता ख़त्म हो गई। अपने संकट में उन्होंने यहोवा की दोहाई दी, और उस ने उनको संकट से छुड़ाया। उसने तूफ़ान को शांत किया और उसकी लहरों को शांत किया, और जब समुद्र शांत हो गया तो वे आनन्दित हुए। फिर वह उन्हें सुरक्षित रूप से उनके इच्छित बंदरगाह पर ले आया (भजन १०७:२३-३० सीजेबी)। यह उन छंदों की शाब्दिक पूर्ति थी जिन्हें चमत्कार करने वाला रब्बी गलील सागर पर पूरा करने वाला था।

Ff – यीशु ने तूफ़ान को शांत किया मत्ती ८:१८, २३-२७; मरकुस
४:३५-४१; लूका ८:२२-२५ | 4



वह उठा, हवा को डाँटा, या उसका मुँह दबा दिया और
प्रचण्ड लहरों से कहा: चुप रहो! अभी भी हो। ग्रीक शब्द फ़िमू, या स्थिर रहना, का अर्थ है मुंह को थूथन से बंद करना, और इसका उपयोग बैल का मुंह बंद करने और यीशु द्वारा फरीसियों को चुप कराने (दबाने) के लिए किया जाता है। क्रिया एक पूर्ण अनिवार्यता है, दूसरे शब्दों में यह तब होता जब वह कह रहा होता, “दबाव में रहो और ऐसे ही रहो।”फिर तूफान थम गया और यह पूरी तरह से शांत हो गया (मत्ती ८:२६बी; मार्क ४:३९; ल्यूक ८:२४बी)। दो चमत्कार हुए थे; हवा थम गई और समुद्र पूरी तरह शांत हो गया। यहां तक कि हवा के तुरंत रुकने पर भी, गलील सागर जैसा विशाल जल भंडार एक पल में पूरी तरह से शांत नहीं होगा जब तक कि यह ईश्वर का चमत्कार न हो। उसने अपने प्रेषितों से कहा: तुम क्यों डरते हो? आपके पास इतना कम भरोसा है (मत्ती ८:२६ए सीजेबी; मार्क ४:४०; ल्यूक ८:२५ए)? यह ऐसा था मानो यीशु कह रहे हों, “क्या तुमने मेरी पर्याप्त शक्ति नहीं देखी है और मेरे प्रेम का पर्याप्त अनुभव नहीं किया है कि यह जान लो कि तुम मेरे साथ पूरी तरह से सुरक्षित हो?” फिर भी, बढ़ते हुए प्रेरितों के लिए यह सीखने योग्य क्षण था, क्योंकि उन्हें याद दिलाया गया कि वह चमत्कार करने वाला मसीहा है। उन्हें इस संसार के राजकुमार के अधीन रहने के बजाय उस पर विश्वास करना था (यूहन्ना १२:३१)। यीशु उसका मुँह बंद करने में सक्षम था!

सत्ताईस साल की उम्र में, प्रसिद्ध चित्रकार रेम्ब्रांट ने इन अंशों के आधार पर गैलिली सागर पर तूफान में मसीह के समुद्री दृश्य को चित्रित किया। प्रकाश और छाया के विशिष्ट विरोधाभास के साथ, रेम्ब्रांट की पेंटिंग में एक छोटी नाव को दिखाया गया है जो एक भयंकर तूफान में नष्ट होने के खतरे में है। जैसे ही प्रेरित हवा और लहरों के विरुद्ध संघर्ष करते हैं, प्रभु अविचलित रहते हैं। हालाँकि, सबसे असामान्य पहलू नाव में एक तेरहवें यात्री की उपस्थिति है, जिसके बारे में कला विशेषज्ञों का कहना है कि वह स्वयं रेम्ब्रांट जैसा दिखता है। हम भी खुद को इस कहानी में डाल सकते हैं और खोज सकते हैं, जैसा कि येशुआ के प्रेरितों ने किया था, कि प्रत्येक व्यक्ति जो यीशु मसीह पर भरोसा करता है, वह जीवन के हर तूफान में अपनी उपस्थिति, करुणा और नियंत्रण प्रकट करता है।

वे लोग एक ही समय में भयभीत और आश्चर्यचकित दोनों थे। हालाँकि उन्होंने येशुआ के उपचार और शिक्षण मंत्रालय का अनुभव किया था, प्रेरित हैरान थे और उन्होंने एक-

Ff – यीशु ने तूफ़ान को शांत किया मत्ती ८:१८, २३-२७; मरकुस
४:३५-४१; लूका ८:२२-२५ | 5

दूसरे से पूछा: यह व्यक्ति कौन है? यहाँ तक कि हवाएँ और लहरें भी उसकी आज्ञा मानती हैं (मत्तीयाहु ८:२७; मरकुस ४:४१; लूका ८:२५बी)! निस्संदेह वास्तविक उत्तर यह है कि यह किसी साधारण आदमी या यहां तक कि एक प्रतिभाशाली रब्बी का काम नहीं होगा। एक बार फिर, येशुआ ने यह पुष्टि करने के लिए अपनी शाश्वत शक्ति का अनावरण किया कि वह पिता द्वारा भेजा गया वादा किया हुआ मसीहा है। इस बीच, प्रेरितों ने एक और मूल्यवान सबक सीखा। निःसंदेह, यीशु के साथ तूफान से गुजरने के कारण उनका विश्वास नए तरीके से बढ़ा।

हम शिष्यों पर बहुत अधिक कठोर नहीं हो सकते क्योंकि सभी विश्वासी अपने स्वयं के अनुभव से यहोवा की शक्ति और प्रेम को जान सकते हैं। . . फिर भी संकट के समय उन पर भरोसा करना हमेशा साथ-साथ नहीं चलता। हमारा पाप स्वभाव और कमज़ोरियाँ इस हद तक हममें व्याप्त हैं कि प्रभु को अपने जीवन में अद्भुत कार्य करते हुए देखने के बाद भी हम संदेह में पड़ जाते हैं। विश्वास को मजबूत करने की जरूरत है, जैसा कि शिष्यों को अंततः समझ में आया। “हमारा विश्वास बढ़ाओ,” उन्होंने येशुआ से विनती की (लूका १७:५)। और कभी-कभी हम दुष्टात्मा वाले लड़के के पिता से चिल्लाकर कहते हैं: मुझे विश्वास है; मैं विश्वास करना चाहता हूँ। कृपया मेरे अविश्वास पर काबू पाने में मेरी मदद करें (मरकुस ९:२४).

१९१५ में पादरी विलियम बार्टन ने लेखों की एक श्रृंखला प्रकाशित करना शुरू किया। एक प्राचीन कथाकार की पुरातन भाषा का उपयोग करते हुए, उन्होंने अपने दृष्टान्तों को सफेड द सेज के उपनाम से लिखा। और अगले पंद्रह वर्षों तक उन्होंने सफ़ेद और उसकी स्थायी पत्नी केतुराह के ज्ञान को साझा किया। यह एक ऐसी शैली थी जिसका उन्होंने आनंद लिया। कहा जाता है कि १९२० के दशक की शुरुआत तक सफ़ेद के अनुयायियों की संख्या कम से कम तीन मिलियन थी। एक सामान्य घटना को आध्यात्मिक सत्य के चित्रण में बदलना हमेशा बार्टन के मंत्रालय का मुख्य विषय रहा है।

अब, एक सुबह मैं अपने अध्ययन कक्ष में गया, और मुझे प्रकृति की एकरूपता पर एक विद्वान व्यक्ति की पुस्तक पढ़ने के लिए बैठाया गया। और मैंने उन कारणों के बारे में बहुत सोचा कि क्यों एक दिन में एक व्यक्ति को जलाने वाली गर्मी उसे अगले दिन नहीं रोक देती है, और क्यों सूर्य जो पूर्व में समय का एक हिस्सा उगता है वह पश्चिम में शेष समय में क्यों नहीं उगता है और गुरुत्वाकर्षण का नियम जो कभी-कभी सेब को नीचे की ओर खींचता है, कभी-कभी उसे ऊपर क्यों नहीं फेंकता।

और ये अध्ययन शरीर के लिए थकान साबित करते हैं, इसलिए मैंने ताजी हवा के लिए अपनी खिड़की खोल दी। और तुरंत वहाँ एक कठफोड़वा उड़ गया। और जितनी जल्दी वह अंदर था उतनी जल्दी वह बाहर आना चाहता था। और उसने मेरी छत के चारों ओर दो बार और तीन बार चक्कर लगाया, और फिर तेजी से दूसरी खिड़की की ओर उड़ गया जो खुली नहीं थी, और उसे अपने पूरे बल से मारा, जिससे वह फर्श पर गिर गया और वहीं लेट गया जैसे कि वह मर गया हो। और मैं उठ कर खड़ा हो गया, और नीचे उसकी ओर देखा। और मैंने उसे नहीं छुआ, लेकिन

Ff – यीशु ने तूफ़ान को शांत किया मत्ती ८:१८, २३-२७; मरकुस
४:३५-४१; लूका ८:२२-२५ | 6

मुझे पता चला कि उसके दर्द भरे लाल सिर में वह इस तरह के विचार सोच रहा था:

देखो, अब तक मैं वहां-वहां उड़ता रहा हूं जहां पारदर्शी अंतरिक्ष था, और मुझे कुछ भी नहीं मिला। लेकिन जब मैं अंतरिक्ष में उड़ रहा था तो मैं स्पष्ट रूप से देख पा रहा था कि मुझे नीचे गिरा दिया गया और लगभग मार डाला गया। हाँ, और उससे भी आगे पेड़ और वसंत की मुक्त हवा थी। मैं फिर कभी प्रकृति की एकरूपता पर भरोसा नहीं करूंगा; और प्रभु के मार्ग एक समान नहीं हैं।

फिर मैंने उसे छोड़ दिया, और मैंने अपनी खिड़कियाँ ऊपर से नीचे की ओर खोल दीं और वह उठा और सीधे उनमें से एक पर उड़ गया, और चला गया।

और मैं, जो उनसे बहुत कम बुद्धिमान हूं, उन लोगों के बारे में ध्यान करता हूं जिन्हें मैं जानता हूं जो अचानक एक नए अनुभव के सामने आते हैं कि वे अपने जीवन के सिद्धांतों के बीच सूचीबद्ध करने में असमर्थ हैं, जहां जो कुछ वे नहीं देखते हैं, वह उनके सामने उठता है और वे उदास हो जाते हैं, यहां तक कि वे अपनी पीड़ा में चिल्लाते हैं कि प्रभु दयालु होना भूल गया है, और उसकी दया हमेशा के लिए खत्म हो गई है। क्योंकि मैंने उन्हें जोर से सोचते हुए सुना है जैसे मैंने कठफोड़वे को लाल सिर दर्द के साथ सुना था।

अब प्रकृति की एकरूपता ही ईश्वर की वास्तविकता है। फिर भी परमेश्वर के तरीके उसके प्राणियों के तरीके के समान नहीं हैं। इसलिए मैंने अपने परमेश्वर से प्रार्थना की कि जब मैं स्पष्ट स्थान से होकर उड़ूं और किसी चीज़ के सामने आऊं तो वह मुझे उस पर भरोसा करने की कृपा दे।